Title : Regarding need to review the rates of petroleum products in view of the declining prices of crude oil in international market.

(xviii) **Need to review the rates of petroleum products in view of the declining prices of crude oil in international market.**

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदय, देश के रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया सहित वित्त मंत्री जी ने क्रूड तेल के दाम बढ़ने से पैट्रोल, डीजल जैसे ईंधन के स्रोतों की कीमतों में बढ़ोत्तरी के प्रति चिन्ता गत माहों में जाहिर की थी उन्होंने इसे आर्थिक विकास के लिए अभिशाप कहा है। गत अगस्त के अंत और सितम्बर के प्रारंभ में अंतर्राट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतें 70 डालर प्रति बैरल थी, जो भारतीय वास्केट के लिए 62.78 डालर प्रति बैरल आंकी गयी थी। यह कीमतें अभी तक की सबसे अधिकतम कीमत थी। अतः सरकार ने अंतर्राट्रीय बाजार में बढ़ी कीमतों के नाम पर देश में पैट्रोल और डीजल की कीमतें आम उपभोक्ताओं के लिए बढ़ा दी। आज ये कीमतें 54 डालर से 55 डालर प्रति बैरल भारतीय वास्केट के लिए हो चुकी हैं। अंतर्राट्रीय बाजार में कीमतें कम हुयी हैं पर सरकार देश में पेट्रोल, डीजल की कीमतें कम करने से इंकार कर रही है, कहना है रंगराजन कमेटी की रिपोर्ट आने पर निर्णय होगा।

मेरा अनुरोध है कि अभी तक देश में पैट्रोल, डीजल की कीमतें अंतर्राट्रीय बाजार में बढ़ने पर बढ़ायी गयी है अभी कीमतें कम होने पर कम होनी चाहिए, यही न्याय है। रंगराजन कमेटी की रिपोर्ट जब आयेगी इस पर उस समय विस्तार से विचार होगा। पर अभी तो पुरानी रीति-नीति के अनुसार ही सरकार को कीमतें कम करनी जरूरी है।